Free Press Journal, Mumbai, 10/11/2025
Page No: 8, Size: 6.93cm × 23.18cm

Petronet CEO wins 15-month extension

A K Singh has received a 15-month extension till May 2027 as the managing director and chief executive officer of the country's biggest gas importer, Petronet LNG Ltd, according to a regulatory filing. Singh, 64, who took over as Petronet CEO on February 1, 2020, for an initial five-year term, will now superannuate on May 12, 2027. While the superannuation age in public sector companies is 60 years, Petronet, though headed by the government's top bureaucrat in the Union Ministry of Petroleum and Natural Gas, is registered as a private limited company. Petronet is not under any government watchdog like CAG or CVC and is beyond the purview of RTI. Its board executives enjoy higher remuneration than PSUs and also retire at the age of 65 years. Indian Oil Corporation, GAIL (India) Ltd, ONGC and BPCL hold 12.5% stake each in the company.

गेल GAIL

Veer Arjun, Delhi, 10/11/2025

Page No: 11, Size: 23.47cm × 18.92cm

पेट्रोनेट के सीईओ अक्षय कुमार सिंह को 15 माह का सेवा विस्तार

नई दिल्ली, (भाषा)। देश की सबसे बड़ी गैस आयातक कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी लि. के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अक्षय कुमार सिंह को मई, 2027 तक 15 महीने का सेवा विस्तार मिल गया है। कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। सिंह (64) ने एक फरवरी, 2020 को शुरुआती पांच साल के कार्यकाल के लिए पेट्रोनेट के सीईओ का पदभार संभाला था। वह अब 12 मई, 2027 को सेवानिवृत्त होंगे। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष है, लेकिन पेट्रोनेट, जिसका नेतृत्व केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में सरकार के शीर्ष नौकरशाह करते है, एक निजी लिमिटेड कंपनी के रूप में पंजीकृत है। पेट्रोनेट कैग या सीवीसी जैसी किसी सरकारी निगरानी संस्था के अधीन नहीं है और सूचना के अधिकार (आरटीआई) के दायरे से भी बाहर है। इसके निदेशक मंडल के अधिकारियों को सार्वजनिक उपक्रमों की तुलना में अधिक वेतन मिलता है और वे 65 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त भी होते है।

निदेशक मंडल में नियुक्तियां बोर्ड की एक खोज-सह-चयन समिति द्वारा की जाती हैं। यह कंपनी के प्रमुख शेयरधारकों के प्रतिनिधियों, एक स्वतंत्र निदेशक और एक बाहरी विशेषज्ञ से बना है। सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), गेल (इंडिया) लिमिटेड, ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की कंपनी में 12.5-12.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पेट्रोनेट के बोर्ड में शामिल चार प्रमुख पेट्रोलियम कंपनियों के प्रमुख 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं। पेट्रोनेट की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, सिंह 64 वर्ष के है और इस विस्तार का अर्थ है कि वह 66 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होंगे।

पेट्रोनेट ने कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल ने सात नवंबर को हुई अपनी बैठक में, अक्षय कुमार सिंह को कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ और पूर्णकालिक प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) के रूप में कार्यकाल एक फरवरी, 2026 से 12 मई, 2027 तक बढ़ाने को अपनी मंजूरी दे दी है। एमआईटी, मुजफ्फरपुर (बिहार) से मैकेनिकल इंजीनियर और दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर, सिंह इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन से पेट्रोनेट में आए थे।

Virat Vaibhav, Delhi, 10/11/2025

Page No: 15, Size: 41.88cm × 19.79cm

सेवा विस्तार *निदेशक मंडल में नियुक्तियां बोर्ड की एक खोज-सह-चयन समिति द्वारा की जाती है*

पेट्रोनेट के सीईओ अक्षय कुमार को 15 माह का सेवा विस्तार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी गैस आयातक कंपनी पेट्रोनेट एलएनजी लि. के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अक्षय कुमार सिंह को मई, 2027 तक 15 महीने का सेवा विस्तार मिल गया है। कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। सिंह (64) ने एक फरवरी, 2020 को शुरुआती पांच साल के कार्यकाल के लिए पेट्रोनेट के सीईओ का पदभार संभाला था। वह अब 12 मई, 2027 को सेवानिवृत्त होंगे। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष है,

लेकिन पेट्रोनेट, जिसका नेतृत्व केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में सरकार के शीर्ष नौकरशाह करते हैं, एक निजी लिमिटेड कंपनी के रूप में पंजीकृत है। पेट्रोनेट कैग या सीवीसी जैसी किसी सरकारी निगरानी संस्था के अधीन नहीं है और सूचना के अधिकार (आरटीआई) के दायरे से भी बाहर है। इसके निदेशक मंडल के अधिकारियों को सार्वजनिक उपक्रमों की तुलना में अधिक वेतन मिलता है और वे 65 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त भी होते हैं। निदेशक मंडल में नियुक्तियां बोर्ड की एक खोज-सह-चयन समिति द्वारा की जाती हैं। यह कंपनी के प्रमुख शेयरधारकों के प्रतिनिधियों, एक स्वतंत्र निदेशक और एक बाहरी विशेषज्ञ से बना है। सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), गेल (इंडिया) लिमिटेड, ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की कंपनी में 12.5-12.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पेट्रोनेट के बोर्ड में शामिल चार प्रमुख पेट्रोलियम कंपनियों के प्रमुख 60 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं। पेट्रोनेट की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, सिंह 64 वर्ष के हैं और इस विस्तार का अर्थ है कि वह 66 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होंगे। पेट्रोनेट ने कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल ने सात नवंबर को हुई अपनी बैठक में, अक्षय कुमार सिंह को कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ और पूर्णकालिक प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) के रूप में कार्यकाल एक फरवरी, 2026 से 12 मई, 2027 तक बढ़ाने को अपनी मंजूरी दे दी है। एमआईटी, मुजफ्फरपुर (बिहार) से मैकेनिकल इंजीनियर और दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर, सिंह इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन से पेट्रोनेट में आए थे, जहां वह निदेशक (पाइपलाइन) थे। 2018 में आईओसी बोर्ड में शामिल होने से पहले, सिंह गेल इंडिया लिमिटेड में कार्यकारी निदेशक थे। पेट्रोनेट की ताजा वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, सिंह को 2024-25 (अप्रैल, 2024 से मार्च, 2025) में कुल 3.04 करोड़ रुपए का पारिश्रमिक मिला। इसमें लाभ पर कमीशन के रूप में 25.5 लाख रुपए शामिल हैं।

Millennium Post, Delhi, 10/11/2025
Page No: 9, Size: 11.03cm × 8.70cm

Petronet CEO Akshay Kumar Singh gets extension of 15-month

NEW DELHI: Akshay Kumar Singh has received a 15-month extension till May 2027 as the managing director and chief executive officer of the country's biggest gas importer, Petronet LNG Ltd, according to a regulatory filing.

Singh, 64, who took over as Petronet CEO on February 1, 2020, for an initial five-year term, will now superannuate on May 12, 2027.

While the superannuation age in public sector companies is 60 years, Petronet, though headed by the government's top bureaucrat in the Union Ministry of Petroleum and Natural Gas, is registered as a private limited company.

Petronet is not under any government watchdog like CAG or CVC and is beyond the purview of RTI.

Its board executives enjoy higher remuneration than PSUs and also retire at the age of 65 years.

Appointments to the board are made by a search-cum-selection committee of the board. It is made up of representatives of lead shareholders in the company, an independent director and an outside expert.

State-owned Indian Oil Corporation (IOC), GAIL (India) Ltd, Oil and Natural Gas Corp (ONGC) and Bharat Petroleum Corporation Ltd (BPCL) hold 12.5 per cent stake each in the company. The heads of the four blue-chip oil firms, who sit on the board of Petronet, superannuate at the age of 60 years.

According to Petronet's latest annual report, Singh is 64 years old, and the extension means he would retire at the age of 66 years.

"The Board of Directors of the company, in its Meeting held on November 7, have accorded their approval for extension of tenure of Akshay Kumar Singh as Managing Director & CEO and whole time Key Managerial Personnel (KMP) of the company from February 1, 2026, to May 12, 2027, inter-alia, on the existing terms and conditions," Petronet said in the filing. PTI